Indians in Jails in different countries

385. SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:

SHRI PRAMOD MAHAJAN:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of Indians still languishing in Jails in different countries, country-wise, and since when;

(b) the number of cases which Government have taken up with the respective countries for their release, country-wise; and

(c) the number of Indians released so far during af the last three years?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI KAMAL MORARKA): (a) to (c). The information is being collected and will be laid on the table of the House.

देश में पर्यावरणीय प्रदूषण का संकट

386. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में पर्यावरणीय प्रदूषण का संकट निरन्तर गहरा होता जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो देश में प्रति वर्ष ईंधन के लिए किस सीमा तक वन काटे जा रहे हैं;

(ग) विभिन्न तरीकों से देश में वनों के विकास द्वारा वन क्षेत्र में कितनी वृद्धि होने का अनुमान है; और

(घ) वनों के विस्तार की प्रक्रिया में तीव्रता लाने के लिए क्या सरकार बड़े पैमाने पर किसी राष्ट्रीय योजना के क्रियान्वयन का विचार रखती है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और यदि हां, तो योजना की रूपरेखा क्या है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मेनका गांधी) : (क) जी, हां।

(ख) राज्यों से सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के पटल पर रख दी जाएगी।

(ग) वास्तव में, विकास परियोजनाओं के लिए वन क्षेत्रों को उपयोग में लाए जाने के कारण वन क्षेत्र में वृद्धि नहीं हुई है। भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट (1989) के अनुसार, वनों की संघनता में वृद्धि हुई है। 40 प्रतिशत या इससे अधिक सघन वन क्षेत्र 361.40 लाख है से बढ़कर 378.40 लाख है० हो गए हैं।

(घ) दीर्घकालीन सामाजिक और आर्थिक विकास तथा साथ ही राष्ट्रीय पर्यावरण प्रबंध के लिए वनों के संरक्षण एवं उनके विकास के लिए भारत सरकार ने एक 10 वर्षीय राष्ट्रीय वानिकी कार्य योजना की परिकल्पना की है।

बडी नदियों का आपस में जोड़ा जाना

387. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :
श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया :

क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 22 जनवरी, 1991 को "ट्रिब्यून" में "पी. एम. फ़ार लिंकिंग आल मेजर रिवर्स" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने देश की नदियों को परस्पर जोड़कर उनके पानी को सिंचाई हेतु उपयोग करने की किसी नई योजना के क्रियान्वयन का निर्णय लिया है;

(ग) क्या यह भी सच है कि गंगा और कावेरी नदियों को जोड़ने के संबंध में एक योजना कई वर्षों से सरकार के पास लंबित है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस योजना को क्रियान्वित किए जाने के संबंध में कोई निर्णय लिया है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

जल संसाधन मंत्री साथ में जल भूतल परिवहन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री मनुभाई कोटाड़िया) : (क) जी हां।

(ख) देश के जल संसाधनों के विकास के लिए सरकार ने एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य तैयार किया है, जिसमें हिमालयी नदी विकास और प्रायद्वीपीय नदी विकास नामक दो घटक हैं। जल संसाधन मंत्रालय की पंजीकृत सोसाइटी राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण द्वारा इन दोनों घटकों पर अध्ययन किए जा रहे हैं।

(ग) और (घ) जी नहीं। सरकार पहले से तैयार किए गए राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के अनुसार जल संसाधनों के विकास हेतु अध्ययन शुरू कर रही है।

लघु, मध्यम तथा बड़ी सिंचाई परियोजनाएं

388. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने कृपा करेंगे कि :

(क) देश में दिसम्बर, 1990 तक निर्माणाधीन लघु, मध्यम तथा बड़ी सिंचाई परियोजनाओं की कुल संख्या कितनी है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इन में से कई परियोजनाएं अपने निर्धारित समय पर पूरी नहीं हो पाएंगी;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस कारण इन परियोजनाओं की लागत में वृद्धि हुई है; और

(घ) यदि हां, तो उन परियोजनाओं की संख्या कितनी है जो समय पर पूरी हो गयीं थी और क्या उनकी निर्माण-लागत में कोई वृद्धि हुई है?

जल संसाधन मंत्री साथ में जल-भूतल परिवहन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री मनुभाई कोटाडिया) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभा पटल पर रख दी जाएगी।

389. *[Transferred to the 4th March, 1991]*

दिल्ली महानगर में टेलीफोन सेवाओं का विस्तार

390. **डा० जितेन्द्र कुमार जन :**
श्री बलराम सिंह यादव :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान दिल्ली महानगर में टेलीफ़ोन सुविधाओं का लगातार विस्तार हुआ है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1988-89 में दिल्ली में यह सुविधाएं कितने लोगों को उपलब्ध थीं और 1990-91 के दौरान दिसम्बर मास तक इस सुविधा का लाभ पाने वाले लोगों की संख्या कितनी थी; और

(ग) क्या सरकार ने 1988-89 से दिसम्बर, 1990 तक की अवधि के दौरान महानगर टेलीफ़ोन निगम लिमिटेड, दिल्ली के रख-रखाव कर्मचारियों की संख्या में भी वृद्धि की गई है, यदि हां, तो नये नियुक्त इंजीनियरों, लाइनमैनों तथा अन्य सहायक कर्मचारियों की वर्षवार संख्या कितनी है?